नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

लापरवाही की भेंट चढ़े 9 लोग

पानी में डूबी बिना रैलिंग की पुलिया से नाले में गिरी कार

02 लोग गंभीर रूप से घायल

05 घंटे बाद पहुंचा प्रशासन

बंजारा समाज के लोग लकवा पीड़ित महिला को कडलावद धाम ले जा रहे थे

नवभारत न्यूज

ब्यावरा/पडाना 10 अगस्त, तेज बारिश के बीच राजगढ़ जिले के सारंगपुर तहसील अंतर्गत पड़ाना बाईपास पर सोमवार सुबह 9.30 बजे रेलिंग विहीन सड़क की पुलिया से ऊपर नाले के बहाव में एक कार बह गई. हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई. सोमवार शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला जिसमें 9 लोगों के शवों को बरामद किया गया है.

जानकारी के अनुसार देवास के घसड़ गांव के बंजारा समाज के 11 लोग लकवा पीड़ित महिला को कडलावद धाम ले जा रहे थे. स्थानीय लोगों के मना करने के बावजूद ड्राइवर ने कार एमपी 09 बीजे 4684 नाले के ऊपर रैलिंग विहीन पुलिया पर चलाई जो कि अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई. हादसे में राजवीर, शंकर चौहान, पूजा चौहान, रिनू पवार, सागरबाई, विशाल, जसप्रीत, वंशिका और चुटकी समेत 9 लोगों की मौत हो गई. जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं.

रेस्क्यू टीम ने केवल औपचारिकता निभाई

आसपास ही मौजूद ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर शव निकाले. लखन परमार और उनके बेटे ने नाले में कूदकर 2 लोगों को जिंदा बचाया. बाकी सभी शव ग्रामीणों ने तेज बहाव और झाडियों में से ढूंढे. रेस्क्यू टीम और जिला प्रशासन का अमला करीब 5 घंटे बाद मौके पर पहुंचा और केवल औपचारिकता निभाई. घटना से गुस्साए लोगों ने रेलिंग न लगाने वाले ठेकेदार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. मौके पर कलेक्टर, एसपी और मंत्री गौतम टेटवाल पहुंचे और हालात का जायजा लिया. ग्रामीणों की मांग है कि बिना सुरक्षा इंतजाम के बने बाईपास के जिम्मेदार ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि आगे ऐसी लापरवाही किसी और की जान न ले.

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज

1 26 साल में पहली बार छात्रों ने घेरी विधानसभा

2 जेपीएससी पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गिरफ्तार

रांची, 10 अगस्त. झारखंड में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विवाद ने सोमवार को बड़ा मोड़ ले लिया. परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच अपराध अनुसंधान विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया. अपराध अनुसंधान विभाग की टीम गिरफ्तारी के बाद उन्हें अपने कार्यालय लेकर गई. पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा.

दूसरी ओर परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का आंदोलन सोमवार को उग्र हो गया. बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा घेराव के लिए पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए विधानसभा परिसर तक पहुंच गए. झारखंड गठन के 26 साल के इतिहास में इसे छात्रों के विधानसभा परिसर तक पहुंचने की पहली बड़ी घटना है. प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की थी. जब छात्रों ने बैरिकेड पार कर आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया. स्थिति नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछार करने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए. बता दें कि एल. खियांग्ते से अपराध अनुसंधान विभाग पहले भी कई बार पूछताछ कर चुका था. 28 जुलाई से शुरू हुई पूछताछ में जांच एजेंसी ने उनसे परीक्षा संचालन, प्रक्रिया और कथित अनियमितताओं से जुड़े कई सवाल पूछे थे. अपराध अनुसंधान विभाग झारखंड लोक सेवा आयोग की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा और अन्य परीक्षाओं में धांधली, उत्तर पुस्तिका में छेड़छाड़ और अयोग्य अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने के आरोपों की जांच कर रहा है.

> प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की ओर से पुलिस पर बोतलें फेंके जाने की बात भी सामने आई. आंदोलन के बीच छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं. बारिश के बावजूद वह विधानसभा के सामने तिरंगे में लिपटे स्ट्रेचर पर बैठे नजर आए. उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा.

सुनवाई के लिए बनेंगी दो विशेष अदालतें

मणिपुर हिंसा मामला

नई दिल्ली, 10 अगस्त. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर और असम सरकार तथा अन्य से कहा कि वे मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा से जुड़े सीबीआई और एनआईए मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें गठित करने पर विचार करें.

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने अधिकारियों को उन मामलों का विवरण तैयार करने का निर्देश दिया जिनमें आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है, ताकि पीड़ित, उनके परिवार और कानूनी सलाहकार संबंधित रिकॉर्ड देख सकें. पीठ ने संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सुनवाई की अगली तारीख से पहले इस मामले पर एक वस्तु स्थिति रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया.

एशियाई शेरों की संख्या 891 हुई

नयी दिल्ली, 10 अगस्त. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि देश में एशियाई शेरों की संख्या वर्ष 2015 के 523 से बढ़कर 2025 में 891 हो गई है.

श्री यादव ने विश्व शेर दिवस पर शेर संरक्षण में देश को मिली सफलता की सराहना करते हुए वन्यजीव और जैव-विविधता संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि शेरों की संख्या में बढ़ोतरी की यह उपलब्धि वन अधिकारियों, संरक्षणवादियों तथा स्थानीय समुदायों के समर्पण से मिली है.